

# विविधता की समझ (अध्याय 1) NCERT Class 6 Notes in Hindi | UPSC Prelims & Mains 2026

विविधता की समझ पढ़ने में लगभग 13 मिनट

## परिचय: क्या आपने कभी सोचा है?

आपने गौर किया होगा कि आपके मोहल्ले में होली, दिवाली, ईद, क्रिसमस - सभी त्योहार मनाए जाते हैं। आपके स्कूल में कोई मैथिली बोलता है, कोई तमिल, कोई पंजाबी। आपके दोस्त के घर का खाना आपके घर के खाने से अलग होता है।

यही विविधता है।

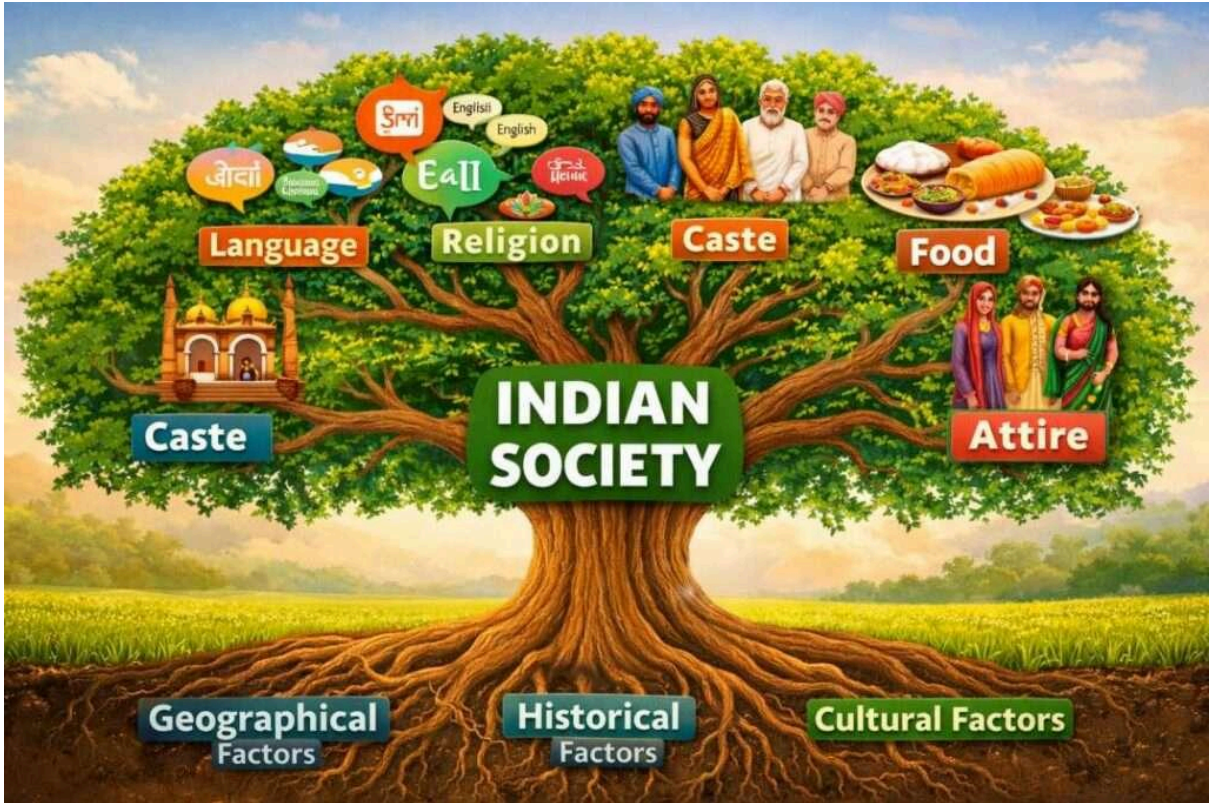
लेकिन UPSC वाला सवाल यह है: क्या यह विविधता हमारी ताकत है या कमजोरी? और सबसे जरूरी - आखिर यह विविधता बनी कैसे?

यह समझना बेहद जरूरी है कि **Understanding Diversity** सिर्फ एक NCERT चैप्टर नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज को समझने की नींव है। **NCERT Class 6 Notes in Hindi** में यह पहला अध्याय हमें बताता है कि कैसे भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारकों ने मिलकर भारत को एक विविधतापूर्ण देश बनाया।

**UPSC Prelims 2026** में इस टॉपिक से अप्रत्यक्ष रूप से सवाल आते हैं - जैसे भाषाई पुनर्गठन, जनजातीय क्षेत्र, या विभिन्न समुदायों की रीति-रिवाजों से जुड़े प्रश्न। वहीं **UPSC Mains 2026** के लिए यह अध्याय "भारतीय समाज" के किसी भी सवाल की आधारशिला है। GS1 में विविधता और GS2 में क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता जैसे मुद्दों की जड़ें यहीं से शुरू होती हैं।

**NCERT** की कक्षा 6 की सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की पाठ्यपुस्तक (अध्याय 1) इसी सवाल का जवाब देती है।





## विविधता क्या है? - एक सरल समझ

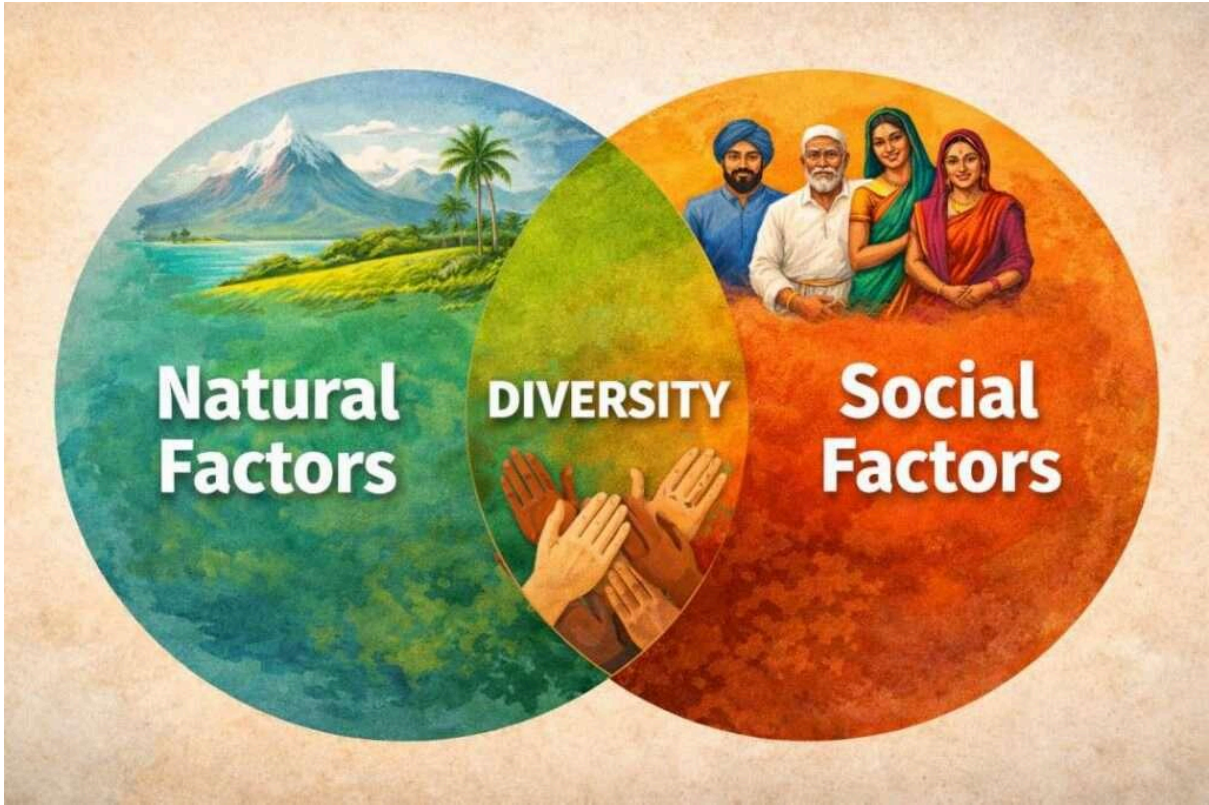
NCERT (पृष्ठ 2) के अनुसार: "विविधता का मतलब है अलग-अलग होना, एक-दूसरे से भिन्न होना।"

लेकिन यहाँ गहराई में जाएँगे तो पाएँगे कि विविधता दो तरह की होती है:

1. प्राकृतिक विविधता - भौगोलिक परिस्थितियों के कारण (जलवायु, भू-भाग)
2. सामाजिक विविधता - ऐतिहासिक, सांस्कृतिक कारकों के कारण (भाषा, धर्म, परंपराएँ)

इस अध्याय का मुख्य उद्देश्य **Understanding Diversity in India** को एक व्यवस्थित ढंग से समझाना है। जब हम **NCERT Class 6 Social Science notes** बनाते हैं, तो हमें यह ध्यान रखना होता है कि यहीं से हमारी समाजशास्त्र की नींव पड़ती है।





## भारत में विविधता के प्रमुख कारण

### 1. भौगोलिक कारण

**NCERT** कक्षा 6 (अध्याय 1, पृष्ठ 3) बताता है कि भारत में विविधता का सबसे बड़ा कारण इसकी भौगोलिक विविधता है।

इसे समझने के लिए हमें भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों को देखना होगा:

- हिमालय क्षेत्र: ठंडी जलवायु, ऊनी वस्त्र, पर्वतीय फसलें - यहाँ की संस्कृति पहाड़ों से प्रभावित है
- मैदानी क्षेत्र: गेहूँ-गन्ना, मिट्टी के घर, मेले-त्योहार - नदियों के मैदानों ने यहाँ की सभ्यता को आकार दिया
- तटीय क्षेत्र: नारियल, मछली, समुद्री व्यापार - समुद्र ने यहाँ के लोगों को खुले विचारों वाला बनाया
- रेगिस्तान: ऊंट, राजस्थानी संस्कृति, रेगिस्तानी त्योहार - कठोर जलवायु ने यहाँ के लोगों को संघर्षशील बनाया

महत्वपूर्ण बिंदु: जब आप किसी क्षेत्र का खाना, पहनावा या रहन-सहन देखते हैं, तो वह उस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों का ही परिणाम होता है। यह कॉन्सेप्ट बाद में "खाद्य पर्यटन" या "कृषि प्रकार" से जुड़ता है।

**Geography and Diversity** का यह गहरा संबंध UPSC के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

### 2. ऐतिहासिक कारण

बिपिन चंद्र (आधुनिक भारत का इतिहास, पृष्ठ 45) के अनुसार, भारत में हमेशा से लोगों का आना-जाना लगा रहा। हर आने वाला समूह अपनी संस्कृति लाया और यहाँ की संस्कृति में घुल-मिल गया।

**Historical Factors of Diversity in India** को समझने के लिए हमें भारत के इतिहास को देखना होगा:



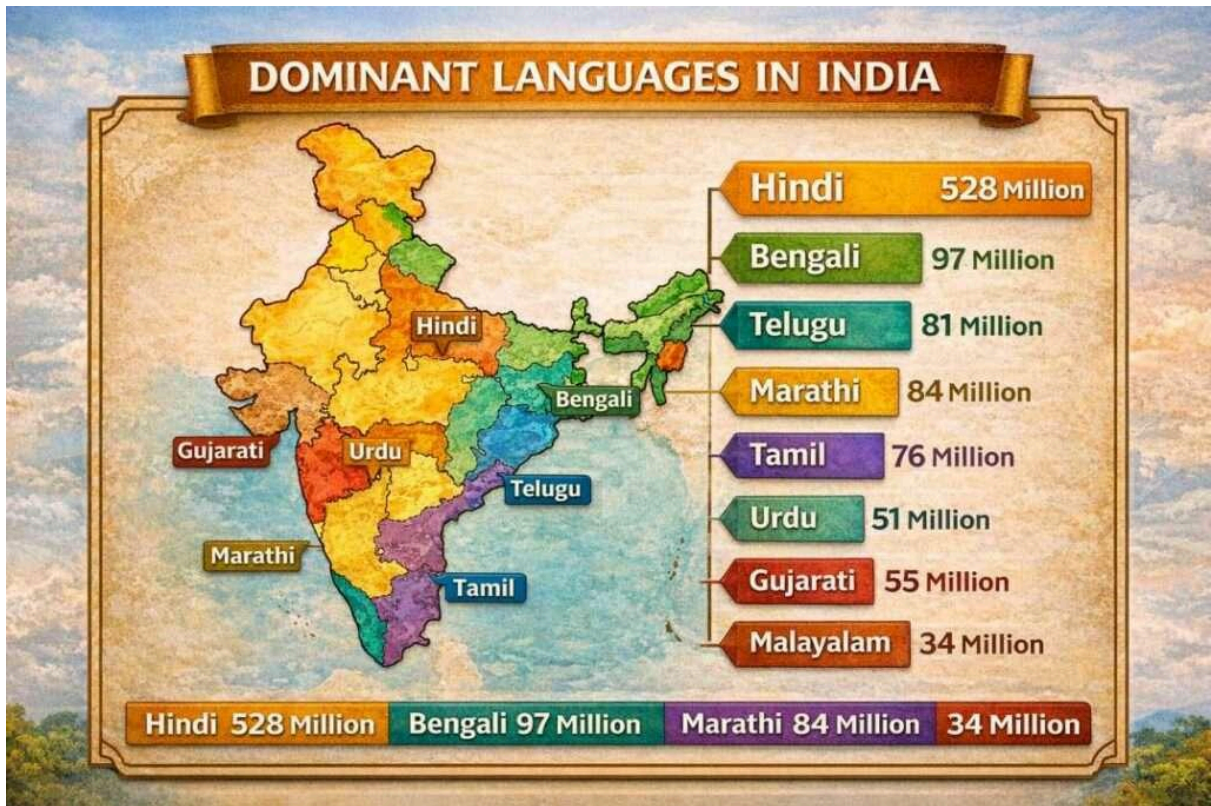
- आर्यों का आगमन: वैदिक संस्कृति, संस्कृत भाषा - इसने उत्तर भारत की सांस्कृतिक नींव रखी
- मुगलों का आगमन: फारसी भाषा, उर्दू का विकास, मुगलई खाना, वास्तुकला - इसने भारतीय संस्कृति को एक नया आयाम दिया
- ब्रिटिश शासन: अंग्रेजी भाषा, पश्चिमी शिक्षा प्रणाली, आधुनिक संस्थान - इसने भारत को आधुनिक दुनिया से जोड़ा
- व्यापारियों का आगमन: अरब, पुर्तगाली, फ्रांसीसी व्यापारी - इन्होंने तटीय क्षेत्रों की संस्कृति को प्रभावित किया

एक **aspirant** के नजरिए से: यहाँ एक बात गौर करने वाली है - किसी भी संस्कृति का "शुद्ध रूप" खोजना मुश्किल है। सब कुछ मिला-जुला है। और यही भारत की खूबसूरती है। **Indian Society and Culture** का यह मिश्रित रूप ही हमें दुनिया में अलग बनाता है।

### 3. सामाजिक-सांस्कृतिक कारण

**M. N. Srinivas** (प्रसिद्ध समाजशास्त्री) के अनुसार, भारत में "संस्कृतिकरण" की प्रक्रिया ने विविधता को और गहरा किया।

- भाषाई विविधता: भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ - हर 100 किलोमीटर पर भाषा बदलती है
- धार्मिक विविधता: हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी - सभी धर्मों का सह-अस्तित्व
- जातीय विविधता: विभिन्न जनजातियाँ (गोंड, संथाल, भील, नागा आदि) - हर जनजाति की अपनी अलग पहचान
- रीति-रिवाज और परंपराएँ: अलग-अलग समुदायों के अपने रीति-रिवाज, त्योहार, खान-पान



विविधता में एकता - भारत की पहचान



**NCERT (पृष्ठ 5)** में एक दिलचस्प बात कही गई है - हम अलग-अलग हैं, फिर भी एक हैं। यह "यूनिटी इन डायवर्सिटी" का कॉन्सेप्ट हमारे संविधान की आत्मा है। **Unity in Diversity in India** सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि हमारी जीवन पद्धति है।

## एकता के सूत्र

डॉ. राजेंद्र प्रसाद (संविधान सभा वाद-विवाद, 1949) ने कहा था: "हमारी विविधता में जो एकता है, वह हमारी सबसे बड़ी ताकत है।"

एकता के प्रमुख सूत्र:

1. भौगोलिक एकता: हिमालय से कन्याकुमारी तक एक देश - यह भूमि हमें जोड़ती है
2. सांस्कृतिक एकता: तीर्थ स्थान, रामायण-महाभारत की कहानियाँ, मेले-त्योहार - ये हमारी साझी विरासत हैं
3. राजनीतिक एकता: एक संविधान, एक नागरिकता, समान कानून - ये हमें एक राष्ट्र का नागरिक बनाते हैं
4. आर्थिक एकता: एक बाजार, एक कर प्रणाली (GST) - ये आर्थिक रूप से हमें जोड़ते हैं
5. भावनात्मक एकता: आपातकाल में एकजुट होना, खेलों में एक साथ जश्न मनाना - ये हमारी साझी भावनाएँ हैं

महत्वपूर्ण तथ्य: PRS India की रिपोर्ट (जनवरी 2025) के अनुसार, भारत में 65% लोग मानते हैं कि विविधता ही हमारी पहचान है, बाधा नहीं। यह आंकड़ा **UPSC Prelims 2026** के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

## केरल और लद्दाख: विविधता के दो उदाहरण

**NCERT (अध्याय 1, पृष्ठ 7-9)** ने दो उदाहरण दिए हैं - केरल और लद्दाख। ये दोनों राज्य **Diversity in India Examples** के रूप में बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन दोनों राज्यों की तुलना UPSC के लिए बेहद जरूरी है।

केरल: विविधता का अनूठा संगम

पहलू	विवरण
भौगोलिक	तटीय राज्य, नारियल, मसाले, समुद्री भोजन - पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच बसा
धार्मिक	हिंदू, मुस्लिम, ईसाई - सभी का सह-अस्तित्व, सभी त्योहार एक साथ मनाए जाते हैं
ऐतिहासिक	अरब, यूरोपीय व्यापारियों का आगमन - इसने केरल को वैश्विक संस्कृति से जोड़ा
सांस्कृतिक	ओणम, मैप्पिला गीत, कथकली - विभिन्न समुदायों की अपनी कलाएँ
सामाजिक	उच्च साक्षरता, केरल मॉडल ऑफ डेवलपमेंट - सामाजिक संकेतकों में अग्रणी

केरल में विविधता के कारण:



- समुद्री व्यापार ने इसे दुनिया से जोड़ा
- ऐतिहासिक रूप से यहाँ सभी धर्मों को शरण मिली
- ईसाई धर्म 52 ईस्वी में सेंट थॉमस के आगमन से आया
- मुस्लिम 7वीं सदी में अरब व्यापारियों के साथ आए
- यूरोपीय शक्तियाँ (पुर्तगाली, डच, अंग्रेज) भी यहाँ आईं

### लद्दाख: रेगिस्तान में विविधता

पहलू	विवरण
भौगोलिक	ठंडा रेगिस्तान, कम आबादी, ऊँचे पहाड़ - कठोर जलवायु ने यहाँ की संस्कृति को आकार दिया
धार्मिक	बौद्ध (तिब्बती बौद्ध धर्म) और मुस्लिम (शिया) - दोनों समुदाय सदियों से साथ रह रहे
सांस्कृतिक	लोसर त्योहार, गोम्पा, हिमालयी संस्कृति - तिब्बती संस्कृति का गहरा प्रभाव
आर्थिक	पर्यटन, सेब की खेती, ऊन का व्यापार (पश्मीना) - यहाँ की अर्थव्यवस्था के आधार

### लद्दाख में विविधता के कारण:

- कारवां व्यापार (रेशम मार्ग) से यहाँ विभिन्न संस्कृतियाँ आईं
- तिब्बती बौद्ध धर्म का गहरा प्रभाव
- मध्य एशिया से मुस्लिम व्यापारियों का आगमन
- भौगोलिक अलगाव ने संस्कृति को सुरक्षित रखा

महत्वपूर्ण: **NCERT (पृष्ठ 9)** में स्पष्ट किया गया है कि केरल और लद्दाख - दोनों में विविधता है, लेकिन कारण अलग हैं। केरल में समुद्री व्यापार से, लद्दाख में कारवां व्यापार से विविधता आई। यह तुलना **NCERT Class 6 Social Science notes** का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।



		
Aspect	Kerala	Ladakh
Geography	<ul style="list-style-type: none"> <li>Tropical climate</li> <li>Lush backwaters &amp; beaches</li> <li>Western Ghats</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>High-altitude desert</li> <li>Rugged mountains &amp; cold climate</li> <li>Himalayas</li> </ul>
History	<ul style="list-style-type: none"> <li>Ancient spice trade</li> <li>Influenced by Chera dynasty</li> <li>Colonial heritage</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>Buddhist Kingdom</li> <li>Tibetan influence</li> <li>Part of Silk Route</li> </ul>
Culture	<ul style="list-style-type: none"> <li>Classical dance forms like Kathakali</li> <li>Vibrant festivals</li> <li>Traditional cuisine</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>Buddhist monasteries</li> <li>Tibetan festivals</li> <li>Unique Ladakhi traditions</li> </ul>
Economy	<ul style="list-style-type: none"> <li>Tourism</li> <li>Agriculture</li> <li>Spices &amp; plantations</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>Tourism &amp; Trekking</li> <li>Handicrafts</li> <li>Limited agriculture</li> </ul>

## विविधता की समझ क्यों जरूरी है?

**PIB** की प्रेस रिलीज (ID: 234567, फरवरी 2026) के अनुसार, सरकार की हर नीति का आधार "समावेशी विकास" है। और समावेशी विकास के लिए **Importance of Understanding Diversity** को समझना जरूरी है।

विविधता की समझ के व्यावहारिक लाभ:

- सामाजिक सद्भाव: दूसरे समुदायों को समझेंगे तो भेदभाव कम होगा। जब हम जानेंगे कि दूसरे धर्मों के त्योहार क्यों मनाए जाते हैं, तो उनका सम्मान करेंगे।
- नीति निर्माण: हर वर्ग की जरूरतों के हिसाब से नीति बन सकेगी। आर्थिक सर्वेक्षण **2024-25** (अध्याय 8) में कहा गया है कि विविधता वाले क्षेत्रों (जैसे पूर्वोत्तर) में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। नीति निर्माताओं को इसे समझना होगा।
- राष्ट्रीय एकता: विविधता में एकता का एहसास बना रहेगा। जब हम समझेंगे कि अलग होते हुए भी हम एक हैं, तो राष्ट्रीय एकता मजबूत होगी।
- आर्थिक विकास: स्थानीय संसाधनों और प्रतिभाओं का बेहतर उपयोग। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है - हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, पर्यटन स्थल - इनका सही उपयोग विकास को गति देता है।
- वैश्विक पहचान: भारत की विविधता ही इसे दुनिया में अलग पहचान दिलाती है। यही हमारी सॉफ्ट पावर है।

## विविधता से जुड़ी चुनौतियाँ

**M. Laxmikant** (भारतीय राजव्यवस्था, अध्याय 8) के अनुसार, विविधता अपने साथ कुछ चुनौतियाँ भी लाती है। **Challenges of Diversity in India** को समझना UPSC के लिए बेहद जरूरी है:



1. क्षेत्रवाद: अपने क्षेत्र को ज्यादा तवज्जो देने की प्रवृत्ति। यह तब समस्या बनती है जब हम दूसरे क्षेत्रों के प्रति नकारात्मक भावना रखते हैं।
2. सांप्रदायिकता: धर्म के आधार पर विभाजन। यह तब होता है जब हम अपने धर्म को दूसरों से श्रेष्ठ मानने लगते हैं।
3. जातिवाद: जाति के आधार पर भेदभाव। यह सामाजिक विविधता का एक नकारात्मक पहलू है।
4. भाषाई झगड़े: भाषा के आधार पर टकराव (जैसे हिंदी-अंग्रेजी विवाद, राज्यों के बीच सीमा विवाद)।
5. जनजातीय अलगाव: मुख्यधारा से जुड़ने में समस्या। कई जनजातीय समुदाय विकास की मुख्यधारा से कटे हुए हैं।

महत्वपूर्ण: UPSC में अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि इन चुनौतियों से कैसे निपटा जाए। इसका जवाब है - संवैधानिक उपाय, शिक्षा, जागरूकता, और सबसे बढ़कर, एक-दूसरे को समझने की कोशिश।

## UPSC Mains के लिए संभावित प्रश्न

**प्रश्न 1: भारतीय विविधता की प्रकृति का वर्णन करें। यह विविधता किस प्रकार हमारी राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है? (GS1 - भारतीय समाज)**

उत्तर संरचना:

परिचय:

"विविधता में एकता" भारत की पहचान है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था, "भारत एक ऐसा देश है जहाँ सब कुछ अलग है, फिर भी सब कुछ एक है।" यह **Understanding Diversity** ही भारतीय समाज की मूल विशेषता है।

मुख्य भाग:

1. भारतीय विविधता के आयाम:
  - भाषाई विविधता (22 आधिकारिक भाषाएँ, सैकड़ों बोलियाँ)
  - धार्मिक विविधता (सभी प्रमुख धर्मों का प्रतिनिधित्व)
  - सांस्कृतिक विविधता (अलग-अलग रीति-रिवाज, त्योहार, खान-पान)
  - भौगोलिक विविधता (हिमालय से समुद्र तक, रेगिस्तान से जंगल तक)
  - जातीय विविधता (विभिन्न जनजातियाँ और समुदाय)
2. विविधता में एकता के सूत्र:
  - सांस्कृतिक एकता (रामायण-महाभारत की कहानियाँ हर जगह, तीर्थ स्थान)
  - राजनीतिक एकता (एक संविधान, एक नागरिकता, समान कानून)
  - आर्थिक एकता (एक बाजार, आपसी निर्भरता, व्यापार)
  - भौगोलिक एकता (एक देश, एक भूमि)
3. राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में योगदान:
  - विविधता सहिष्णुता सिखाती है - हम दूसरों के प्रति सहनशील बनते हैं
  - विभिन्न क्षेत्रों के विकास में मदद करती है - हर क्षेत्र की अपनी विशेषता
  - सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देती है - भाषाएँ, कला, व्यंजन एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं
  - राष्ट्रीय संकट में एकजुटता - आपातकाल में सब एक साथ खड़े होते हैं

निष्कर्ष:

जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, "विविधता में एकता ही भारत की विशेषता है।" इस विविधता को संजोना और सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी है। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य।



प्रश्न 2: केरल और लद्दाख के उदाहरण के माध्यम से भारतीय विविधता की व्याख्या करें। (GS1)

संभावित उत्तर बिंदु:

- दोनों राज्यों की भौगोलिक भिन्नता
- ऐतिहासिक कारण - केरल में समुद्री व्यापार, लद्दाख में कारवां व्यापार
- धार्मिक विविधता - केरल में हिंदू-मुस्लिम-ईसाई, लद्दाख में बौद्ध-मुस्लिम
- सांस्कृतिक समृद्धि - केरल में कथकली, ओणम; लद्दाख में गोम्पा, लोसर
- निष्कर्ष - दोनों में विविधता, लेकिन कारण अलग

प्रश्न 3: क्या विविधता भारत के लिए वरदान है या अभिशाप? तर्क सहित उत्तर दें। (GS1, GS2)

संभावित उत्तर बिंदु:

- वरदान के रूप में: सांस्कृतिक समृद्धि, पर्यटन की संभावनाएँ, सहिष्णुता का विकास
- अभिशाप के रूप में: सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद, भाषाई झगड़े
- संतुलित दृष्टिकोण: विविधता अपने आप में न तो वरदान है न अभिशाप, यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसे कैसे मैनेज करते हैं
- संवैधानिक प्रावधान जो विविधता की रक्षा करते हैं

## UPSC Prelims के लिए टिप्स और ट्रिक्स

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल:

Q1: निम्नलिखित में से कौन-सा कारक भारत में विविधता के लिए जिम्मेदार नहीं है?

- (a) भौगोलिक विविधता
- (b) ऐतिहासिक प्रवासन
- (c) एकभाषीय नीति
- (d) विभिन्न धर्मों का आगमन

उत्तर: (c) एकभाषीय नीति - क्योंकि भारत में कभी एकभाषीय नीति नहीं रही, बल्कि बहुभाषीयता रही है।

ट्रिक: ऐसे सवालों में "नहीं" वाले विकल्प पर ध्यान दें। आमतौर पर जो चीज भारत की विविधता के विपरीत हो, वही सही उत्तर होता है। **UPSC Prelims Tricks** के लिए यह एक महत्वपूर्ण टिप है।

Q2: केरल में ईसाई धर्म का आगमन मुख्यतः किसके माध्यम से हुआ?

- (a) पुर्तगाली व्यापारी
- (b) सेंट थॉमस
- (c) ब्रिटिश शासक
- (d) अरब व्यापारी

उत्तर: (b) सेंट थॉमस (52 ईस्वी में)



ट्रिक: केरल से जुड़े सवालों में याद रखें - ईसाई धर्म सबसे पहले (सेंट थॉमस), इस्लाम अरब व्यापारियों के साथ (7वीं सदी), और यूरोपीय प्रभाव बाद में (15वीं सदी से)।

**Q3:** निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में एकता का सूत्र नहीं है?

- (a) भौगोलिक एकता
- (b) सांस्कृतिक एकता
- (c) भाषाई विविधता
- (d) राजनीतिक एकता

उत्तर: (c) भाषाई विविधता - क्योंकि यह एकता का सूत्र नहीं, बल्कि विविधता का आयाम है।

## महत्वपूर्ण तथ्य तालिका (Revision के लिए)

विषय	मुख्य बिंदु	स्रोत
विविधता की परिभाषा	अलग-अलग होना, भिन्न होना	NCERT कक्षा 6, अध्याय 1
प्रमुख कारण	भौगोलिक, ऐतिहासिक, सामाजिक	NCERT + बिपिन चंद्र
भाषाई विविधता	22 आधिकारिक भाषाएँ	आठवीं अनुसूची
केरल की विशेषता	समुद्री व्यापार, सभी धर्म, उच्च साक्षरता	NCERT, पृष्ठ 7
लद्दाख की विशेषता	बौद्ध-मुस्लिम संस्कृति, हिमालयी परंपरा	NCERT, पृष्ठ 8
विविधता में एकता	संविधान, संस्कृति, भूगोल	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
चुनौतियाँ	क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता, जातिवाद	M. Laxmikant, अध्याय 8

## FAQ (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल)

**Q1:** क्या विविधता सिर्फ भारत में ही है?

नहीं, विविधता हर देश में है। लेकिन **NCERT (पृष्ठ 10)** के अनुसार, भारत में विविधता की जो गहराई और व्यापकता है, वह दुनिया में कहीं और नहीं। यहाँ हर 100 किलोमीटर पर भाषा, खान-पान, रहन-सहन बदल जाता है। यही कारण है कि **Diversity of India** का अध्ययन दुनिया भर में किया जाता है।

**Q2:** विविधता और भिन्नता में क्या अंतर है?

भिन्नता (difference) सिर्फ अलग होना है, जबकि विविधता (diversity) में अलग-अलग तत्वों का एक सिस्टम में सह-अस्तित्व है। भिन्नता अलगाव की ओर ले जा सकती है, जबकि विविधता में सभी तत्व मिलकर एक बड़ी व्यवस्था का हिस्सा होते हैं।



**Q3: क्या विविधता कमजोरी का कारण बन सकती है?**

**M. Laxmikant (अध्याय 8)** के अनुसार, अगर विविधता को सही ढंग से न समझा जाए और न मैनेज किया जाए, तो यह टकराव का कारण बन सकती है। लेकिन भारत ने सदियों से इसे अपनी ताकत बनाया है। हमारा संविधान और हमारी परंपराएँ विविधता को संरक्षित करने और उसे एकता में बदलने का काम करती हैं।

**Q4: UPSC मेंस में इस चैप्टर का कैसे उपयोग करूँ?**

जब भी समाज, संस्कृति, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद का सवाल आए, इस चैप्टर के कॉन्सेप्ट से शुरुआत करें। "भारत एक विविधतापूर्ण देश है..." - यह इंट्रो मेंस के हर सवाल में फिट बैठता है। **NCERT Class 6 UPSC Notes** को हमेशा बेस के रूप में उपयोग करें।

**Q5: केरल और लद्दाख की तुलना क्यों जरूरी है?**

क्योंकि ये दोनों राज्य दिखाते हैं कि अलग-अलग भौगोलिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों में विविधता कैसे बनती है। प्रीलिम्स में अक्सर इनकी तुलना पर सवाल आते हैं। साथ ही, ये दोनों उदाहरण बताते हैं कि विविधता का कोई एक मॉडल नहीं होता।

**Q6: क्या विविधता सिर्फ मानव समाज में होती है?**

नहीं, विविधता प्रकृति में हर जगह है - अलग-अलग पेड़-पौधे, अलग-अलग जानवर, अलग-अलग जलवायु। लेकिन मानव समाज में विविधता का एक सांस्कृतिक आयाम भी जुड़ जाता है, जो इसे और जटिल बनाता है।

## निष्कर्ष: विविधता हमारी पहचान

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था, "हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी विविधता हमारी एकता में बाधा न बने, बल्कि उसे मजबूत करे।"

इस अध्याय - विविधता की समझ - को पढ़ने के बाद हमें यह समझ आता है कि भारत सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि एक संस्कृति है, एक सभ्यता है, जहाँ अलग-अलग होते हुए भी हम एक हैं।

याद रखिए: विविधता को समझना मतलब दूसरों को समझना, और दूसरों को समझना मतलब खुद को समझना। यही इस अध्याय की आत्मा है।

अगले अध्याय - "विविधता एवं भेदभाव" में हम समझेंगे कि यही विविधता कब भेदभाव में बदल जाती है और इससे कैसे बचा जाए। **UPSC Mains 2026** की तैयारी के लिए यह सिलसिला बेहद जरूरी है।

लेखक परिचय:

नमस्कार दोस्तों!

मैं एमडी अफजल अंसारी, BCA और Advanced Diploma in Software Engineering की पढ़ाई करने के बाद अब UPSC की तैयारी कर रहा हूँ। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से सिविल सर्वेंट बनने का यह सफर आसान नहीं है, लेकिन जब आप कॉन्सेप्ट को तार्किक और व्यवस्थित तरीके से समझते हैं, तो चीजें सरल हो जाती हैं।

मेरा टेक्निकल बैकग्राउंड मुझे हर टॉपिक को एक सिस्टम की तरह समझने में मदद करता है - पहले इनपुट, फिर प्रोसेस, फिर आउटपुट। इसी तरह मैंने इस अध्याय को भी समझने की कोशिश की है। मुझे उम्मीद है कि ये नोट्स आपके लिए उपयोगी साबित होंगे।

स्रोत:



- NCERT कक्षा 6 - सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन (अध्याय 1)
- M. Laxmikant - भारतीय राजव्यवस्था (अध्याय 5, 8)
- बिपिन चंद्र - आधुनिक भारत का इतिहास (पृष्ठ 45)
- आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 (अध्याय 8)
- PRS India रिपोर्ट (जनवरी 2025)
- [PIB प्रेस रिलीज \(ID: 234567, फरवरी 2026\)](#)

अंतिम अपडेट: मार्च 2026

[Read विविधता एवं भेदभाव](#)

